विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 16, वर्ष 5, अंक 54 माह - जून 2023, मूल्य : निःशुल्क

लेख
ग्राहक जागरण आंदोलन और विकसित भारत

ज्ञापन
समलैंगिकता याचिका पारित न हो

द केरला स्टोरी
350 परिवारों की महिलाओं ने देखी नि:शुल्क फिल्म

पर्यावरण संरक्षण
नियमित देखरेख मिली तो 4 माह में 500 पौधे 4 फीट के हो गए

गोबर से बनी घड़ी

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक अध्यक्ष

सुनीता अरिहंत
कार्यकारी अध्यक्ष

सौरभ रांधेलिया
अध्यक्ष

आकांक्षा मलैया
सचिव

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

राजेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयाँश जैन
मार्गदर्शक

गुलज़ारी लाल जैन
मार्गदर्शक

प्रदीप रांधेलिया
मार्गदर्शक

अंशुल भार्गव
मार्गदर्शक

डॉ. स्वप्निल बी. मंत्री
मार्गदर्शक

ग्राहक जागरण आंदोलन और विकसित भारत

गौरव सिंह
अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत

भारत आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका में है, फिर वह जी-20 की अध्यक्षता हो या निवेश करने हेतु विश्व के देशों का भारत में विश्वास बढ़ना, कोरोना काल में दुनिया के कई देशों को वैक्सीनेशन की सहायता देना, या फिर वह रूस और यूक्रेन युद्ध के बीच भारतीय ध्वज की ताकत। कई अंतरराष्ट्रीय विषयों पर आज दुनिया भारत के मत को महत्व दे रही है। ऐसे में यह स्वाभाविक रूप से संभव लगता है कि 2047 तक भारत एक विकसित देश होगा किंतु आर्थिक रूप से संपन्न, उच्च जीवन स्तर और अधिक प्रति व्यक्ति आय वाले समाज में यदि ग्राहक अधिकारों पर ध्यान नहीं दिया गया तो शोषण के कारण नागरिक समूह का एक हिस्से में निराशा और विद्रोह की मनस्थिति बनी रहेगी। शायद इसी कारण 2022 में जब भारत को 25 वर्षों में विकसित देश होने की घोषणा की गई तो उसके साथ एक महत्वपूर्ण विचार सामने आया " मानव केंद्रित व्यवस्था का निर्माण"।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत शोषण मुक्त समाज के संकल्प के साथ भारत की शासन प्रशासन व व्यापार व्यवस्था को मानव केंद्रित बनाने पर ही कार्यरत है । ग्राहकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक कर शोषण से बचने के लिए

जो सावधानी रखना चाहिए। समाज में ऐसी जागरूकता लाना तथा शोषण करने वाली व्यवस्था के सुधार हेतु समाज का संगठन करना। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद जनता द्वारा कानून व्यवस्था में प्राप्त करने हेतु कई आंदोलन चलाए गए उनमें भारतीय ग्राहक आंदोलन अहम है। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत युवा संगठन है जिसके द्वारा भारत में ग्राहक आंदोलन को मान्यता मिली, 1955 से 75 तक का दशक भारतीय जन सामान्य के लिए एक कठिनाई का दशक था, अन्न धान्य भी पर्याप्त मात्रा में नहीं मिलता था, जनता की भावना का शोषण करने के लिए वेतन वृद्धि की मांग मंजूर करने हेतु भाव वृद्धि का खेल सरकार द्वारा चल रहा था। ग्राहक न्याय को कानून व्यवस्था में लाने के लिए परिसंवाद परिचर्चा और आंदोलन स्वरूप देने में जिनकी भूमिका रही - " श्री गंगाधर राव ढोबले, श्री राजाभाऊ पोफली, विधिज्ञ एडवोकेट गोविंद दारा जी मूंदड़ा उनमें मुख्य नाम है, एडवोकेट मुद्रा द्वारा समिति गठित कर

कानून का प्रारूप तैयार किया गया तब तक इनके प्रतिनिधित्व में ग्राहक संरक्षण के लिए काम करने वाले हैं महाराष्ट्र के क्षेत्रीय संगठन अखिल भारतीय संगठन, ग्राहक पंचायत का स्वरूप ले चुके थे । कानून का यह प्रारूप समाचार पत्रों में प्रकाशित किया गया तथा श्री राम भाऊ म्हालंगी जी के सहयोग से यह विधेयक के रूप में संसदीय मार्ग तक पहुंचा।

इस बात को ध्यान में रखते हुए ग्राहक पंचायत की विधि समिति ने 29 जून 1983 में श्रीमती इंदिरा गांधी को एक पत्र लिखा तथा मांग की कि इस प्रकार का विधेयक चर्चा हेतु संसद में जल्द से जल्द लाया जाए। जिसका सार्थक प्रभाव यह रहा कि 3 वर्ष बाद तत्कालीन खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री के पी सिंह देव द्वारा आयोजित अखिल भारतीय संगोष्ठी में विधेयक के मसौदे पर चर्चा की गई।

एडवोकेट मूंदड़ा, श्री बापू महाशब्दे, राजू भाई पॉपली आदि ग्राहक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। परिणाम स्वरूप सरकार ने विधेयक तैयार कर संसद में प्रस्तुत किया जिसे उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 का नाम दिया गया। इस अधिनियम को आगे लागू करने में भी काफी संघर्ष जारी रहा याचिका भी दायर हुई अंततः महाराष्ट्र के कुछ जिलों में उपभोक्ता मंच गठित हुए और तब से अब तक ग्राहक अधिकारों के प्रति लोगों को जागरूक करने का काम अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत करती आ रही है। आज हर राज्य हर जिले में उपभोक्ता न्यायालय हैं, संशोधन के बाद उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 में ग्राहकों को और भी व्यापक अधिकार प्राप्त हैं बस जरुरत है तो उनके प्रति जागरूक होने की। आर्थिक रूप से सक्षम होने के साथ यदि नागरिक ग्राहक दक्षता से भी युक्त होगा तभी विकसित भारत में शोषण मुक्त समाज का हमारा संकल्प पूर्ण होगा।

ग्राहकों के अधिकार

1. **उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता-** ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता और प्रदर्शन की गारंटी होनी चाहिए। यदि उत्पाद या सेवा में किसी प्रकार की कमी होती है, तो ग्राहकों को उसे पुनः जांचने, बदलने या वापस करने का अधिकार होता है।
2. **मूल्य निर्धारण और विज्ञापन-** ग्राहकों को सही मूल्य पर उत्पाद और सेवाओं का अधिकार होता है। व्यापारियों को उत्पाद और सेवाओं के बारे में सटीक, सत्यापित और अच्छे संचालन के साथ जानकारी प्रदान करनी चाहिए।
3. **सुरक्षा-** उत्पादों और सेवाओं के साथ संबंधित सुरक्षा मानकों का पालन किया जाना चाहिए। ग्राहकों को सुरक्षित उत्पादों और सेवाओं की उम्मीद होनी चाहिए और यदि कोई सुरक्षा संबंधी खतरा होता है, तो उन्हें उसके बारे में जानकारी और चेतावनी प्रदान की जानी चाहिए।
4. **उपयोगकर्ता सहायता और शिकायतों का समाधान-** ग्राहकों को उत्पाद और सेवाओं के साथ संबंधित सही सलाह, गाइडेंस और सहायता प्राप्त करने का अधिकार होता है। उन्हें समय पर सही और तत्परता से उत्तर दिया जाना चाहिए, और यदि कोई शिकायत होती है, तो उसे ठीक करने के लिए तत्परता से कार्रवाई की जानी चाहिए।

समलैंगिकता लागू करना हमारी भारतीय व सनातन संस्कृति के विरूद्ध है : पटैरिया

समलैंगिकता याचिका पारित न हो इसके विरोध में अपर कलेक्टर को 9 मई को सौंपा था ज्ञापन

समलैंगिकता याचिका का रैली निकालकर विरोध किया गया था।

समलैंगिकता के लिए प्रस्तुत याचिका पारित न हो इसके विरोध में विचार समिति, नागरिक जागरूकता मंच, इंजीनियर फोरम, भारतीय शैली कुश्ती संघ ने अपने लेटरहेड पर राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम का ज्ञापन 9 मई को अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी को सौंपा।

इसका समर्थन शिवराम जनकल्याण सेवा समिति, शिवसेना, स्वावलंबी भारत अभियान, स्वदेशी जागरण मंच, धर्म रक्षा संगठन, किसान संघ, लायंस क्लब सागर, सहकार भारती, विश्व हिंदु परिषद, एकता समिति आदि संगठनों ने भी किया।

इस अवसर पर विचार समिति के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने कहा कि समलैंगिकता लागू करना हमारी भारतीय व सनातन संस्कृति के विरूद्ध है जिसे हमारा हिंदु समाज कभी स्वीकार नहीं करेगा। इस तरह के भारत विरोधी कानूनों की देश को आवश्यकता नहीं है इसे तत्काल रोकने की मांग की गई है। नागरिक जागरूकता मंच के जिला संयोजक एड. महेश नेमा ने बताया कि समलैंगिकता लागू होने से देश में अराजकता, अनैतिकता, धर्म, रीति रिवाज, परंपरा इन सब पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। ऐसा हम सब हिन्दुत्व संगठनों ने निर्णय लिया है कि हम सब मिलकर लगातार ज्ञापन सौंपेंगे। भारत देश की परंपराओं में और पाश्चात्य देशों की सभ्यताओं में बहुत अंतर है। हम पाश्चात्य सभ्यता के कतई समर्थक नहीं हैं।

राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम का ज्ञापन अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी को सौंपा गया।

विचार समिति के मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया ने ज्ञापन का वाचन करते हुए बताया कि पाश्चात्य सभ्यता के प्रादुर्भाव व विदेशी संस्कृति का विरोध कर समलैंगिकता से देश में व युवा पीढ़ी पर जो दुष्प्रभाव पड़ेगा इससे देश में अपराध व अराजकता फैलेगी

ज्ञापन सौंपने वालों में राजकुमार नामदेव, कौशल पहलवान, डॉ. वंदना गुप्ता, सुश्री मनोरमा गौर, श्रेयांश जैन, आकाश हार्डवेयर, सूरज सोनी, पप्पू तिवारी, अंशुल भार्गव, सुनील सागर, विनय पहलवान, लक्ष्मी पटैल, नीलेश जैन, राहुल अहिरवार, पूजा प्रजापति, भाग्यश्री राय, अभिषेक, रविन्द्र ठाकुर, विनय चौरसिया, ज्योति रैकवार, उमा पटैल, ममता अहिरवार, नीमा पंथी, मंजू रैकवार, प्रभा साहू, रूकमणी सैनी, आशा साहू, गोमती यादव, विमला यादव, सरिता गुरू, रचना पटैल, जानकी पटैल आदि विचार समन्वयक उपस्थित थीं।

दसवीं वाहिनी के अधिकारियों ने विचार कार्यालय में गोमय उत्पाद बनाने का चार दिवसीय प्रशिक्षण लिया

10वीं वाहिनी विसबल मकरोनिया की अधिकारी एवं महिलाएं प्रशिक्षण लेते हुए।

विचार कार्यालय में 10वीं वाहिनी विसबल मकरोनिया के अधिकारियों एवं महिलाओं ने 4 दिवसीय प्रशिक्षण लिया। इस प्रशिक्षण में गोबर से घड़ी बनाना एवं शील्ड आदि उत्पादों को बनाना सीखा। 10वीं वाहिनी के अधिकारियों एवं महिलाओं ने कहा कि यह हम सभी के लिए गौरव की बात है कि समिति ऐसे गोमय उत्पादों पर कार्य कर रही है, जो बहुत से परिवारों के लिए आजीविका का साधन है। घड़ी बनाने का प्रशिक्षण विनय चौरसिया ने दिया। दिया बनाने का प्रशिक्षण भाग्यश्री राय एवं ज्योति रैकवार ने दिया। कंडे से शील्ड बनाने का प्रशिक्षण पूजा प्रजापति ने दिया। इस अवसर पर सभी महिलाओं ने बड़ी उत्सुकता दिखाई एवं इन उत्पादों को बनाना सीखा।

अधिक जानकारी मुहैया कराते हुये समिति मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया ने बताया कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु, स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए गोमय उत्पादों का प्रशिक्षण 10 वीं वाहिनी विसबल सागर मकरोनिया में जाकर दिया। 15 दिवसीय समर कैंप का आयोजन मई माह में किया गया, जिसमें महिलाओं एवं बच्चों के लिए शहर के सामाजिक संस्थानों के साथ नए प्रकल्पों को स्थापित करने वाले युवाओं को आमंत्रित किया गया था। विचार समिति ने कैंप में जाकर समिति द्वारा जनकल्याण के लिए चलायी जा रही परियोजनाओं की जानकारी प्रस्तुत की और उसी तारतम्य में गोबर से बनने वाले उत्पादों को प्रस्तुत किया गया।

350 परिवारों की महिलाओं एवं बालिकाओं को नि:शुल्क दिखाई 'द केरला स्टोरी' फिल्म

सिनेमा हाल में महिलाएं एवं बालिकाएं फिल्म देखते हुए।

विचार समिति ने सामाजिक जन- जागरण के लिए नि:शुल्क 'द केरला स्टोरी' फिल्म मोहल्ला विकास योजना से जुडे 350 परिवारों की महिलाओं एवं बालिकाओं को सिने सिटी सिनेमा घर मकरोनिया में दिखाई गई।

इसकी जानकारी देते हुये विचार समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि इस फिल्म को हर व्यक्ति को देखना चाहिए क्योंकि इस फिल्म में आईएसआईएस आतंकवादी गतिविधियों को सूक्ष्मता से बताया गया है, जिसे जानना काफी जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह फिल्म बहुत ही शिक्षाप्रद है, माता-पिता को अपने बच्चों से जुड़ाव रखना चाहिए ताकि कोई बच्चों को गलत रास्ते पर न ले जा सके।

समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया 'द केरला स्टोरी' फिल्म ऐसी सच्चाई बताने वाली फिल्म है जिसे ज्यादा से ज्यादा मातृ शक्ति को देखनी चाहिए। सभी बालिकाओं और महिलाओं को देश में बढ़ती एंटी नेशनल घटनाओं को लेकर जागरूक होना चाहिए। हमारे सभी मोहल्ला परिवारों की महिलाओं व बालिकाओं में इस फ़िल्म को लेकर काफी उत्सुकता देखने को मिली।

समिति के उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने मोहल्ला विकास की महिलाओं व बालिकाओं को समझाइस देते हुए बताया कि इस युग में बच्चियां पश्चिम संस्कृति की तरफ ज्यादा आकर्षित हो रही हैं और वह अपने मूल पारिवारिक संस्कार को भूलती जा रही हैं। ऐसे में बच्चियों में भारतीय संस्कार जीवित बनाए रखने के उद्देश्य से बच्चियों को द केरला स्टोरी फिल्म दिखाकर विचार समिति ने बच्चियों को प्रेरणा देने का काम किया है। समिति के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने बताया कि इस फिल्म में आईएसआईएस जैसे आतंकवादी संगठनों के द्वारा लड़कियों को लव जिहाद के चंगुल में फंसा कर उन्हें प्रताड़ित करने की कहानी को प्रदर्शित किया गया है।

विचार समिति के माध्यम से इस फिल्म को दिखाने में मनीष मलैया, नीरज मुखारया, विजयंत सिंघई, सुनील सागर, आकाश जैन, हेमंत पोद्दार, नीपा दिवाकर, रविन्द्र ठाकुर, सरिता जैन, मनोज जैन, सालासर मार्बल, शशांक ठाकुर, प्रेमेन्द्र शर्मा, बृजेन्द्र ठाकुर, प्रशांत गंगवाल, राजेश सिंघई आदि ने सहयोग प्रदान किया।

पौधे लगाने के बाद उनकी नियमित रूप से देखभाल करना भी है जरूरी: कपिल मलैया

विचार समिति और धर्म रक्षा संगठन द्वारा रोपे गए 500 पौधे भरी गर्मी में लहलहा रहे

गौ सेवा धाम हॉस्पिटल में लगे पौधे 3 से 4 फीट के हो गए।

विचार समिति और धर्म रक्षा संगठन द्वारा गौ सेवा धाम हॉस्पिटल के शुभारंभ के अवसर पर 500 अलग-अलग फलदार किस्मों पौधों का रोपण किया गया था। फरवरी माह में रोपे गए इन पौधों की निरंतर देखरेख में यह पौधे 3 से 4 फ़ीट के हो चुके है।

समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने हर्ष व्यक्त करते हुये कहा जब भी मौका मिले अपने आसपास पौधा जरूर लगाएं और इसके लिए औरों को भी प्रेरित करें। क्योंकि पेड़ हैं तो पर्यावरण है और धरती पर रहने वाले जीव-जंतु भी सुरक्षित हैं। पौधे लगाने के बाद उनकी नियमित रूप से देखभाल करना भी जरूरी है। हमारा लक्ष्य वातावरण को हरा- भरा बनाये रखना है।

धर्मरक्षा संगठन अध्यक्ष सूरज सोनी ने बताया कि हमें हर खुशी के अवसर पर पेड़ लगाने चाहिए ताकि पर्यावरण को बचाने में हम सभी अपना योगदान दे सकें। हमारी संस्कृति और जीवन पद्धति प्रकृति से अटूट संबंध और वृक्षों के प्रति श्रद्धा भाव का निर्माण करती है, हमारी संस्कृति, हमारी सनातन परंपरा में वृक्षों की पूजा का विशेष महत्व है। समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत पर्यावरण पर चिंता व्यक्त की। पर्यावरण में बढ़ते असंतुलन को लेकर जहां एक ओर पूरी मानव जाति का अस्तिस्व खतरे में है, वहीं कई लोग मानव जाति पर मंडरा रहे इस खतरे को कम करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

मनुष्य अपनी इच्छाओं की पूर्ति को लेकर तेजी से जंगलों व पेड़-पौधों को काटता जा रहा है। तेजी से नई-नई इमारतों के अलावा मॉल व मकानों का निर्माण कराया जा रहा है। इससे शुद्ध हवा के साथ-साथ ऑक्सीजन की मात्रा कम होती जा रही है। वहीं सूर्य की किरणों से निकलने वाली परा बैंगनी किरणों का प्रभाव तेजी से मनुष्य जाति पर पड़ता दिख रहा है।

हालांकि पर्यावरण को बचाने की मुहिम में कई संस्थाओं के अलावा व्यक्तिगत तौर पर भी लोग अपने आसपास पेड़-पौधे लगा रहे हैं ताकि पर्यावरण को संरक्षित किया जा सके। उन्होंने कहा कि हमारे प्रयास जारी है। सामूहिक जनभागीदारी ही बड़े बदलाव की वाहक है। समिति उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने कहा कि वृक्षों को बचाने के लिए जागरूकता अभियान चलाने चाहिये। पेड़ों की अत्यधिक कटाई पर रोक लगाने तथा जागरूकता फ़ैलाने का समय है। सभी लोगों तक पेड़ों को बचाने के संदेश पहुंचाने होंगे। पर्यावरण की सुरक्षा के लिए वन और वृक्ष महत्वपूर्ण हैं। पृथ्वी के जीवों का जीवन पेड़ों पर निर्भर करता है इसलिए पेड़ों के बिना जीवन की कल्पना करना असंभव है। हमें नई पीढ़ी तथा स्कूली बच्चों को साथ लेकर इस कार्य में जुड़ना चाहिए। पेड़ प्रकृति की बहुमूल्य देन हैं इसलिए हमें इसे काटना नहीं चाहिए।

समिति मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने कहा कि पेड़-पौधे ही पर्यावरण के रक्षक होने के साथ उनको स्वच्छ भी बनाते हैं। इसके बिना कोई भी अपने जीवन की संभावना नहीं कर सकता है। इसलिए लोगों को पेड़-पौधों को लगाने के लिए आगे आना चाहिए लेकिन वर्तमान में लोग अपने भौतिक सुख-सुविधाओं के लिए जंगल काटकर इस धरती को पेड़ विहीन बना रहे हैं। पेड़-पौधे अगर कम होते गए तो ग्लोबल वार्मिंग की समस्या और अधिक पैदा होने लगेगी। जिसका असर वर्तमान में दिखाई भी दे रहा है। पर्यावरण का संतुलन बिगड़ने लगा है। स्थिति यह है कि पिछले 10 साल में पृथ्वी का तापमान बढ़ा है। वहीं हिम खंभ भी पिघलने लगे हैं। अगर ऐसा ही होता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब हम लोगों को ऑक्सीजन लेने के लिए रुपए खर्च करना पड़ेंगे।

समर कैंप से बच्चों में बढ़ती है रचनात्मकता

समर कैंप में बच्चे गेंहू, अरहर, चावल आदि के दानों से कलाकृतियां बनाते हुए।

लर्निंग इनिशिएटिव फॉर इंडिया एवं विचार समिति के संयुक्त तत्वाधान में "लीफी चेंज मेकर्स फेलोशिप" एवं स्कूल चले हम अभियान पिछले एक वर्ष से संचालित किया जा रहा। यह अभियान स्कूलों में छात्रों की निरंतरता एवं शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने में काफ़ी प्रभावकारी है। इस प्रक्रिया में कक्षा 1 से 5 तक के बच्चे शामिल है, जिन्हें 2 वर्षों तक शिक्षित किया जाता है। इन बच्चों को मई माह में आयोजित समर कैंप से जोड़ा गया।

लीफी संस्थापक रमन बहल ने समर कैंप की जानकारी दी। यह समर कैंप छात्रों को विभिन्न गतिविधियों, सीखने के अवसरों और मनोरंजन के माध्यम से मनोवैज्ञानिक, शारीरिक, सांस्कृतिक और रूचिकर क्षेत्रों में विकास करने का एक माध्यम प्रदान करता है। इन कैंपों में छात्रों को विभिन्न कौशलों का अभ्यास करने, सामरिक क्षमता और सहयोग कौशल विकसित करने का अवसर मिलता है।

लीफी युवा शिक्षक कविता यादव बच्चों के प्रति हमेशा भावपूर्ण रही हैं। वह कहती है, समर कैंप बच्चों में स्वेच्छा से सीखने और उन्हें आगे बढ़ाने में मदद करता है। उन्हें गतिविधियां के माध्यम से व्यावहारिक जमीनी ज्ञान से जोड़ता है। कैंप मुख्य रूप से बच्चों के कलात्मक पहलुओं को पहचानने में लाभदायक है। लीफी युवा शिक्षक प्रियंका साहू का कहना है कि हम बच्चों को प्रोत्साहित करते है। उनके पास असीम क्षमताएं होती हैं, उनको पहचानना और उन्हें विकसित करने पर हमारा मुख्य लक्ष्य है बच्चों की गतिविधियों में गेहूं, अरहर, चावल आदि दानों से सुन्दर कलाकृतियाँ उकेरना, मिठाइयां बनाना आदि रहा। लीफी युवा शिक्षक ज्योति जैन कहती है समर कैंप विशेष रूप से बच्चों आत्मविश्वास बढ़ाने, स्वतंत्रता, सामाजिक कौशल, नेतृत्व कौशल और शारीरिक विकास करने में सक्षम बनाता है। अपने आस-पास उपलब्ध चीजों से नई-नई चीजों को बनाना। अंदर की कलाओं को निखारने में भी समर कैंप मददगार रहा। बच्चों को माता पिता का साथ भी मिला, उन्हें बहुत अच्छा लगा।

मीडिया कवरेज

समलैंगिकता लागू करना हमारी भारतीय व सनातन संस्कृति के विरूद्ध है : नितिन पटैरिया

समलैंगिकता याचिका पारित न हो इसके विरोध में अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

सागर। समलैंगिकता के लिए प्रस्तुत याचिका पारित न हो इसके विरोध में विचार समिति, नागरिक जागरूकता मंच, इंजीनियर फोरम, भारतीय शैली कुश्ती संघ ने अपने लेटरहेड पर राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम का ज्ञापन अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी को सौंपा।

इसका समर्थन शिवराम जनकल्याण सेवा समिति, शिवसेना, स्वावलंबी भारत अभियान, स्वदेशी जागरण मंच, धर्म रक्षा संगठन, किसान संघ, लायंस क्लब सागर, सहकार भारती, विश्व हिंदु परिषद, एकता समिति आदि संगठनों ने भी किया।

इस अवसर पर विचार समिति के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने कहा कि समलैंगिकता लागू करना हमारी भारतीय व सनातन संस्कृति के विरूद्ध है जिसे हमारा हिंदु समाज कभी स्वीकार नहीं करेगा। इस तरह के भारत विरोधी कानूनों की देश को आवश्यक ता नहीं है इसे तत्काल रोकने की मांग की गई है।

नागरिक जागरूकता मंच के जिला संयोजक एड. महेश नेमा ने बताया कि समलैंगिकता लागू होने से देश में अराजकता, अनैतिकता, धर्म, रीति रिवाज, परंपरा इन सब पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। ऐसा हम सब हिन्दुत्व संगठनों ने निर्णय लिया है कि हम सब मिलकर लगातार ज्ञापन सौंपेंगे। भारत देश की परंपराओं में और पाश्चात्य देशों की सभ्यताओं में बहुत अंतर है। हम पाश्चात्य सभ्यता के कतई समर्थक नहीं हैं।विचार समिति के मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया ने ज्ञापन का वाचन करते हुए बताया कि पाश्चात्य सभ्यता के प्रादुर्भाव व विदेशी संस्कृति का विरोध कर समलैंगिकता से देश मे व युवा पीढ़ी पर जो दुष्प्रभाव पड़ेगा इससे देश मे अपराध व अराजकता फैलेगी

ज्ञापन सौंपने वालों में राजकुमार नामदेव, कौशल पहलवान, डॉ. वंदना गुप्ता, सुश्री मनोरमा गौर, श्रेयांश जैन, आकाश हार्डवेयर, सूरज सोनी, पप्पू तिवारी, , अंशुल भार्गव, सुनील सागर, विनय पहलवान, लक्ष्मी पटैल, नीलेश जैन, राहुल अहिरवार, पूजा प्रजापति, भाग्यश्री राय, अभिषेक, रविन्द्र ठाकुर, विनय चौरसिया, ज्योति रैकवार, उमा पटैल, ममता अहिरवार, नीमा पंथी, मंजू रैकवार, प्रभा साहू, रूक्मणी सैनी, आशा साहू, गोमती यादव, विमला यादव, सरिता गुरू, रचना पटैल, जानकी पटैल आदि विचारसमन्वयक उपस्थित थीं।

समलैंगिकता लागू करना हमारी भारतीय व सनातन संस्कृति के विरूद्ध है : पटैरिया

सागर| समलैंगिकता के लिए प्रस्तुत याचिका पारित न हो इसके विरोध में विचार समिति, नागरिक जागरूकता मंच, इंजीनियर फोरम एवं भारतीय शैली कुश्ती संघ द्वारा राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम का ज्ञापन अपर कलेक्टर को सौंपा। इसका समर्थन शिवराम जनकल्याण सेवा समिति, शिवसेना, स्वावलंबी भारत अभियान, स्वदेशी जागरण मंच, धर्म रक्षा संगठन, किसान संघ, लायंस क्लब सागर, सहकार भारती, विश्व हिंदु परिषद, एकता समिति आदि संगठनों ने भी किया। विचार समिति के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने कहा कि समलैंगिकता लागू करना हमारी भारतीय व सनातन संस्कृति के विरूद्ध है जिसे हमारा हिंदू समाज कभी स्वीकार

नहीं करेगा। इस तरह के भारत विरोधी कानूनों की देश को आवश्यकता नहीं है इसे तत्काल रोकने की मांग की गई है। एड. महेश नेमा ने कहा कि समलैंगिकता लागू होने से देश में अराजकता, अनैतिकता, धर्म, रीति रिवाज, परंपरा इन सब पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। हमारे देश की परंपरा और पाश्चात्य देशों की सभ्यताओं में बहुत अंतर है। हम पाश्चात्य सभ्यता के कतई समर्थक नहीं हैं। अखिलेश समैया ने कहा कि समलैंगिकता से देश में युवा पीढ़ी पर जो दुष्प्रभाव पड़ेगा इससे देश में अपराध व अराजकता फैलेगी। ज्ञापन सौंपने वालों में राजकुमार नामदेव, कौशल पहलवान, डॉ. वंदना गुप्ता, मनोरमा गौर, श्रेयांश जैन सहित बड़ी संख्या में विभिन्न संगठनों के लोग मौजूद रहे।

दैनिक भास्कर सागर 09-05-2023

समलैंगिकता याचिका पारित न हो इसके विरोध में आज दिया जाएगा आवेदन

सागर | समलैंगिकता के लिए प्रस्तुत याचिका पारित न हो इसके विरोध में विचार समिति सागर द्वारा सोमवार को सभी समाजों के प्रतिनिधियों व विचारकों की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें निर्णय लिया गया कि मंगलवार को सभी समाजों के प्रतिनिधि पहलवान बाबा मंदिर में इकट्ठा होकर एक साथ रैली के रूप में राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम दोपहर 12 बजे कलेक्टर को ज्ञापन सौंपेंगे। कार्यक्रम के आयोजक व विचार समिति के संस्थापक कपिल मलैया पूर्ण समर्थन की बात कही। बैठक में साक्षी गोपाल दीक्षित, महेश नेमा, नितिन पटेरिया, डॉ. वंदना गुप्ता, पप्पू तिवारी सहित विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि मौजूद रहे। संचालन अखिलेश समैया एवं आभार पवन मिश्रा ने माना।

विचार समिति, सागर द्वारा आज समलैंगिकता के लिए प्रस्तुत याचिका पारित न हो इसके विरोध में बैठक

समस्त समाजों के प्रतिनिधियों व विचारको ने की शिरकत

जन चिंगारी-गजेंद्र ठाकुर

सागर। विचार समिति द्वारा सोमवार को समलैंगिकता के लिए प्रस्तुत याचिका पारित न हो इसके विरोध में बड़ी बैठक समस्त समाजों के प्रतिनिधियों व विचारको की आयोजित्त हुई जिसमे विचार रखे गए व सर्व सम्मति से समलैंगिकता लागू न हो इसके लिए राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री की ओर जिला कलेक्टर सागर के माध्यम से ज्ञापन देने की बात तय हुई कार्यक्रम के आयोजक कपिल मलैया संस्थापक अध्यक्ष विचार समिति ने इस विषय को रोकने हेतु पूर्ण समर्थन की बात कही।

बैठक में अध्यक्षता माननीय साक्षी गोपाल दीक्षित, प्रदेश अध्यक्ष, सयुक्त अधिवक्ता महासंघ, मुख्य अतिथि महेश नेमा, जिला सयोजक नागरिकता मंच, नितिन पटैरिया, मुख्य संगठक विचार समिति एवं डॉ. वंदना गुप्ता, पप्पू तिवारी एवं शिखर कोठिया एवं विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे रहे व कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य नागरिक व महिलाएं और 63 से अधिक सामाजिक संस्था से पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इस संबंध में सभी सामाजिक संगठन दिनांक 9/05/2023 दिन मंगलवार को पहलवान बाबा मन्दिर में इकट्ठे होकर पैदल मार्च करते हुए न्यू कलेक्टर बिल्डिंग मे एक साथ चलकर कलेक्टर सागर को दोपहर 12 बजे ज्ञापन सौपेंगे । कार्यक्रम का संचालन अखिलेश समैया ने किया व आभार पवन मिश्रा ने माना।

मीडिया कवरेज

जागरूक करने 350 परिवार की महिलाओं व बालिकाओं को दिखाई द केरला स्टोरी फिल्म

विचार समिति के मोहल्ला विकास योजना से जुड़े हैं यह परिवार

भास्कर संवाददाता | सागर

सिनेमा हॉल में विचार समिति की महिलाएं व बालिकाएं फिल्म देखते हुए।

विचार समिति ने सामाजिक जन-जागरण के लिए संस्था से जुड़ी मोहल्ला समितियों के 350 परिवार की महिलाओं और बालिकाओं को मोहल्ला विकास योजना के तहत मकरोनिया स्थित सिनेमा हॉल में निःशुल्क द केरला स्टोरी फिल्म दिखाई।

समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि यह फिल्म हर व्यक्ति को देखना चाहिए। क्योंकि यह फिल्म शिक्षाप्रद है। माता-पिता को अपने बच्चों से जुड़ाव रखना चाहिए। ताकि कोई बच्चों को गलत रास्ते पर न ले जा सके। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि सभी बालिकाओं और महिलाओं को देश में बढ़ती एंटी नेशनल घटनाओं को लेकर जागरूक होना चाहिए। हमारे सभी मोहल्ला परिवारों की महिलाओं व बालिकाओं में इस फ़िल्म को लेकर काफी उत्सुकता थी। उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने कहा कि इस युग में बच्चियां पश्चिमी संस्कृति की तरफ ज्यादा आकर्षित हो रही हैं और अपने मूल संस्कार भूल रही हैं। बच्चियों में भारतीय संस्कार जीवित बनाए रखने के उद्देश्य से समिति ने यह फिल्म दिखाई और उन्हें प्रेरणा देने का काम किया। मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने कहा कि इस फिल्म में आईएसआईएस जैसे आतंकवादी संगठनों के द्वारा लड़कियों को लव जिहाद के चंगुल में फंसा कर उन्हें प्रताड़ित करने की कहानी को प्रदर्शित किया गया है। फिल्म दिखाने में मनीष मलैया, विजयंत सिंघई, सुनील सागर, आकाश जैन, हेमंत पोद्दार अन्य सदस्यों का सहयोग रहा।

पत्रिका

समलैंगिकता याचिका पारित होने का किया विरोध, रैली निकालकर सौंपा ज्ञापन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

एक दर्जन से अधिक संगठनों ने प्रदर्शन कर रैली निकाली।

सागर. समलैंगिकता के लिए प्रस्तुत याचिका पारित न हो इसके विरोध में विचार समिति, नागरिक जागरूकता मंच, इंजीनियर फोरम, भारतीय शैली कुश्ती संघ ने राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम का ज्ञापन अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी को सौंपा।

इसका समर्थन शिवराम जनकल्याण सेवा समिति, शिवसेना, स्वावलंबी भारत अभियान, स्वदेशी जागरण मंच, धर्म रक्षा संगठन, किसान संघ, लायंस क्लब सागर, सहकार भारती, विश्व हिंदु परिषद और एकता समिति आदि संगठनों ने भी किया।

विचार समिति के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने कहा कि समलैंगिकता लागू करना हमारी भारतीय व सनातन संस्कृति के विरुद्ध है। जिसे हमारा हिंदु समाज कभी स्वीकार नहीं करेगा। इस तरह के भारत विरोधी कानूनों की देश को आवश्यकता नहीं है, इसे तत्काल रोकने की मांग की गई है। नागरिक जागरूकता मंच के जिला संयोजक एड. महेश नेमा ने बताया कि समलैंगिकता लागू होने से धर्म, रीति रिवाज पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया ने ज्ञापन का वाचन किया। इस मौके पर राजकुमार नामदेव, कौशल पहलवान, डॉ. वंदना गुप्ता, मनोरमा गौर, श्रेयांश जैन, आकाश जैन, सूरज सोनी, पप्पू तिवारी, अंशुल भार्गव, सुनील सागर, विनय पहलवान, लक्ष्मी पटैल, नीलेश जैन, राहुल अहिरवार, पूजा प्रजापति, भाग्यश्री राय, अभिषेक, रविन्द्र ठाकुर, विनय चौरसिया, ज्योति रैकवार, उमा पटैल, ममता अहिरवार, नीमा पंथी, मंजू रैकवार, प्रभा साहु, रूकमणी सैनी, आशा साहु, गोमती यादव, विमला यादव और सरिता गुरु आदि मौजूद थी।

समलैंगिकता लागू करना हमारी भारतीय व सनातन संस्कृति के विरुद्ध है: पटैरिया

समलैंगिकता याचिका पारित न हो इसके विरोध में अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

सागर, आचरण संवाददाता।

समलैंगिकता के लिए प्रस्तुत याचिका पारित न हो इसके विरोध में विचार समिति, नागरिक जागरूकता मंच, इंजीनियर फोरम, भारतीय शैली कुश्ती संघ ने अपने लेटरहेड पर राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम का ज्ञापन अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी को सौंपा। इसका समर्थन शिवराम जनकल्याण सेवा समिति, शिवसेना, स्वावलंबी भारत अभियान, स्वदेशी जागरण मंच, धर्म रक्षा संगठन, किसान संघ, लायंस क्लब सागर, सहकार भारती, विश्व हिंदू परिषद, एकता समिति आदि संगठनों ने भी किया। इस अवसर पर विचार समिति के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने कहा कि समलैंगिकता लागू करना हमारी भारतीय व सनातन संस्कृति के विरुद्ध है जिसे हमारा हिंदू समाज कभी स्वीकार नहीं करेगा। इस तरह के भारत विरोधी कानूनों की देश को आवश्यकता नहीं है इसे तत्काल रोकने की मांग की गई है। नागरिक जागरूकता मंच के जिला संयोजक एड. महेश नेमा ने बताया कि

परंपरा इन सब पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। ऐसा हम सब हिन्दुत्व संगठनों ने निर्णय लिया है कि हम सब मिलकर लगातार ज्ञापन सौंपेंगे। भारत देश की परंपराओं में और पाश्चात्य देशों की सभ्यताओं में बहुत अंतर है। हम पाश्चात्य सभ्यता के कतई समर्थक नहीं हैं। विचार समिति के मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया ने ज्ञापन का वाचन करते हुए बताया कि पाश्चात्य सभ्यता के प्रादुर्भाव व विदेशी संस्कृति का विरोध कर समलैंगिकता से देश मे व युवा पीढ़ी पर जो दुष्प्रभाव पड़ेगा इससे देश मे अपराध व अराजकता फैलेगी। ज्ञापन सौंपने वालों में राजकुमार नामदेव, कौशल पहलवान, डॉ. वंदना गुप्ता, सुश्री मनोरमा गौर, श्रेयांश जैन, आकाश हार्डवेयर, सूरज सोनी, पप्पू तिवारी,, अंशुल भार्गव, सुनील सागर, विनय पहलवान, लक्ष्मी पटैल, नीलेश जैन, राहुल अहिरवार, पूजा प्रजापति, भाग्यश्री राय, अभिषेक, रविन्द्र ठाकुर, विनय चौरसिया, ज्योति रैकवार, उमा पटैल, ममता अहिरवार, नीमा पंथी, मंजू रैकवार, प्रभा साहू, रुक्मिणी सैनी, आशा साहू, गोमती यादव, विमला यादव,

मीडिया कवरेज

विचार समिति और धर्म रक्षा संगठन ने रोपे थे पौधे

बेहतर देखरेख मिली तो 4 माह में 500 पौधे 4 फीट के हो गए

भास्कर संवाददाता | सागर

गौसेवा धाम अस्पताल परिसर में रोपे गए 500 पौधे अब लहलहा रहे हैं।

विचार समिति और धर्म रक्षा संगठन द्वारा गौ सेवाधाम हॉस्पिटल के शुभारंभ पर लगाए गए 500 अलग-अलग किस्मों के फलदार भरी गर्मी में भी लहलहा रहे हैं। फरवरी माह में रोपे गए यह पौधे बेहतर देखरेख में 3 से 4 फीट के हो चुके हैं।

समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा जब भी मौका मिले अपने आसपास पौधा जरूर लगाएं और इसके लिए औरों को भी प्रेरित करें। क्योंकि पेड़ हैं तो पर्यावरण है। पौधे लगाने के बाद उनकी नियमित रूप से देखभाल करना भी जरूरी है। हमारा लक्ष्य वातावरण को हरा- भरा बनाये रखना है।

धर्मरक्षा संगठन अध्यक्ष सूरज सोनी ने बताया कि हमें हर खुशी के अवसर पर पेड़ लगाने चाहिए। ताकि पर्यावरण बचाने में योगदान दे सकें। हमारी संस्कृति और जीवन पद्धति प्रकृति से अटूट संबंध और वृक्षों के प्रति श्रद्धा भाव का निर्माण करती है। समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि मनुष्य अपनी इच्छाओं की पूर्ति को लेकर तेजी से जंगलों व पेड़-पौधे को कटाता जा रहा है। तेजी से नई-नई इमारतों के अलावा मॉल व मकानों का निर्माण कराया जा रहा है। इससे शुद्ध हवा के साथ-साथ ऑक्सीजन की मात्रा कम होती जा रही है। सामूहिक जनभागीदारी ही बड़े बदलाव की वाहक है। उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने कहा वृक्षों को बचाने के लिए जागरूकता अभियान चलाना चाहिए। यह पेड़ों की कटाई पर रोक तथा जागरुकता फैलाने का समय है। हमें नई पीढ़ी तथा स्कूली बच्चों को इस कार्य में जोड़ना चाहिए। मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने कहा कि पेड़-पौधे अगर कम होते गए तो ग्लोबल वार्मिंग की समस्या और अधिक पैदा होने लगेगी। जिसका असर वर्तमान में दिखाई भी दे रहा है। अगर भविष्य में ऐसा ही होता रहा तो हम लोगों को ऑक्सीजन लेने के लिए रुपए खर्च करना पड़ेंगे।

समलैंगिकता लागू करना हमारी भारतीय व सनातन संस्कृति के विरूद्ध है: नितिन पटैरिया

समलैंगिकता याचिका पारित न हो इसके विरोध में अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

सागर, देशबन्धु। समलैंगिकता के लिए प्रस्तुत याचिका पारित न हो इसके विरोध में विचार समिति, नागरिक जागरूकता मंच, इंजीनियर फोरम, भारतीय शैली कुश्ती संघ ने अपने लेटरहेड पर राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम का ज्ञापन अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी को सौंपा। इसका समर्थन शिवराम जनकल्याण सेवा समिति, शिवसेना, स्वावलंबी भारत अभियान, स्वदेशी जागरण मंच, धर्म रक्षा संगठन, किसान संघ, लायंस क्लब सागर, सहकार भारती, विश्व हिंदु परिषद, एकता समिति आदि संगठनों ने भी किया। इस अवसर पर विचार समिति के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने कहा कि समलैंगिकता लागू करना हमारी भारतीय व सनातन संस्कृति के विरूद्ध है जिसे हमारा हिंदु समाज कभी स्वीकार नहीं करेगा। इस तरह के भारत विरोधी कानूनों की देश को आवश्यकता नहीं है इसे तत्काल रोकने की मांग की गई है। नागरिक जागरूकता मंच के जिला संयोजक एड. महेश नेमा ने बताया कि समलैंगिकता लागू होने से देश में अराजकता, अनैतिकता, धर्म, रीति रिवाज, परंपरा इन सब पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। विचार समिति के मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया ने ज्ञापन का वाचन करते हुए बताया कि पाश्चात्य सभ्यता के प्रादुर्भाव व विदेशी संस्कृति का विरोध कर समलैंगिकता से देश में व युवा पीढ़ी पर जो दुष्प्रभाव पड़ेगा इससे देश मे अपराध व अराजकता फैलेगी। ज्ञापन सौंपने वालों में राजकुमार नामदेव, कौशल पहलवान, डॉ. वंदना गुप्ता, मनोरमा गौर, श्रेयांश जैन, आकाश हार्डवेयर, सूरज सोनी, पप्पू तिवारी, अंशुल भार्गव, सुनील सागर, विनय पहलवान, लक्ष्मी पटैल आदि विचार समन्वयक उपस्थित थे।

समलैंगिकता याचिका के विरोध में नागरिक मंच ने सौंपा ज्ञापन

पीपुल्स संवाददाता ● सागर
मो.नं. 9826021098

समलैंगिकता के लिए प्रस्तुत याचिका पारित न हो इसके विरोध में विचार समिति, नागरिक जागरूकता मंच, इंजीनियर फोरम, भारतीय शैली कुश्ती संघ ने अपने लेटरहेड पर राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम का ज्ञापन अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी को सौंपा।

इसका समर्थन शिवराम जनकल्याण सेवा समिति, शिवसेना, स्वावलंबी भारत अभियान, स्वदेशी जागरण मंच, धर्म रक्षा संगठन, किसान संघ, लायंस क्लब सागर, सहकार भारती, विश्व हिंदु परिषद, एकता समिति आदि संगठनों ने भी किया।

इस अवसर पर विचार समिति के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने कहा कि समलैंगिकता लागू करना हमारी भारतीय व सनातन संस्कृति के विरूद्ध है जिसे हमारा हिंदु समाज कभी स्वीकार नहीं करेगा। इस तरह के भारत विरोधी कानूनों की देश को आवश्यकता नहीं है इसे तत्काल रोकने की मांग की गई है।

ज्ञापन सौंपने वालों में अखिलेश समैया, राजकुमार नामदेव, कौशल पहलवान, डॉ. वंदना गुप्ता, मनोरमा गौर, श्रेयांश जैन, सूरज सोनी, पप्पू तिवारी, सुनील सागर, विनय पहलवान, लक्ष्मी पटेल आदि शामिल रहे।

हरिभूमि
भोपाल - सागर भूमि
10 May 2023

समलैंगिकता लागू करना हमारी भारतीय व सनातन संस्कृति के विरुद्ध है : नितिन पटेरिया

सागर। समलैंगिकता के लिए प्रस्तुत याचिका पारित न हो इसके विरोध में विचार समिति, नागरिक जागरुकता मंच, इंजीनियर फोरम, भारतीय शैली कुश्ती संघ ने अपने लेटरहेड पर राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम का ज्ञापन अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी को सौंपा। इसका समर्थन शिवराम जनकल्याण सेवा समिति, शिवसेना, स्वावलंबी भारत अभियान, स्वदेशी जागरण मंच, धर्म रक्षा संगठन, किसान संघ, लायंस क्लब सागर, सहकार भारती, विश्व हिंदू परिषद, एकता समिति आदि संगठनों ने भी किया इस अवसर पर विचार समिति के मुख्य संगठक नितिन पटेरिया ने कहा कि समलैंगिकता लागू करना हमारी भारतीय व सनातन संस्कृति के विरुद्ध है जिसे हमारा हिंदू समाज कभी स्वीकार नहीं करेगा। इस तरह के भारत विरोधी कानूनों की देश को आवश्यकता नहीं है इसे तत्काल रोकने की मांग की गई है। एड. महेश नेमा ने बताया कि समलैंगिकता लागू होने से देश में अराजकता, अनैतिकता, धर्म, रीति रिवाज, परंपरा इन सब पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। ऐसा हम सब हिन्दुत्व संगठनों ने निर्णय लिया है कि हम सब मिलकर लगातार ज्ञापन सौंपेंगे। भारत देश की परंपराओं में और पाश्चात्य देशों की सभ्यताओं में बहुत अंतर है। हम पाश्चात्य सभ्यता के कतई समर्थक नहीं हैं।विचार समिति के मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया ने ज्ञापन का वाचन करते हुए बताया कि पाश्चात्य सभ्यता के प्रादुर्भाव व विदेशी संस्कृति का विरोध कर समलैंगिकता से देश मे व युवा पीढ़ी पर जो दुष्प्रभाव पड़ेगा इससे देश मे अपराध व अराजकता फैलेगी।

हमारे सहयोगी

O.P. Jindal Global University
A Private University Promoting Public Service

TISS
Tata Institute Of Social Sciences

UPES
UNIVERSITY OF THE FUTURE

BHU
Banaras Hindu University

QUEST ALLIANCE

Goodera

ConnectAID
The International Solidarity Network

learning initiatives for india

meraadhikar
one nation. one platform

Lyvefresh

TechPose

BENNETT UNIVERSITY
TIMES OF INDIA GROUP

ACADEMIA FOR SUSTAINABLE DEVELOPMENT

POLICY RESEARCH FOUNDATION
PRF

NCD NAVJIVAN CENTER FOR DEVELOPMENT
We Design Your Growth Story

danamojo
experience the magic of giving

IIMT
GROUP OF COLLEGES
Greater Noida • Meerut
— Aim For Excellence —

Dr. H.S. Gour University
Sagar [M.P.]

THE ART OF LIVING

Rotary
Club of Sagar

STEP–AHEAD
Fellowship Preparation–Support
MGNF, Gandhi Fellow, Urban Fellow, SBI Youth, TFI etc.

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT
ROHTAK

भारत विकास परिषद्
Bharat Vikas Parishad
Sagar [M.P.]

ISRN

Edu-Vitae
Services
JOIN! LEARN! ACHIEVE!

India is us!
i2u Social Foundation

संजीवनी बाल आश्रम

For HER Foundation
Hygiene | Empowerment | Respect

॥ विचार समिति ॥
(स्थापना वर्ष 2003)

निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्र में दान देकर इस मुहिम को आगे बढाने में सहयोग करें ।
दान राशि बैंक खाते में डालने हेतू जानकारी इस प्रकार है ।

Bank - State Bank of India
Bank A/c Name - Vichar Samiti
Account No. - 37941791894
IFSC Code - SBIN0000475

Paytm/Phonepe/Googlepay आदि से दान करने के लिए QR कोड को स्कैन करे ।

VICHAR SAMITI
powered by: danamojo
cfpay.dmvicharsamiti@icici
UPI UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

-: संपर्क :-

+91 95757 37475
linkedin.com/in/vichar-samiti
samiti.vichar@gmail.com
www.vicharsamiti.in
Sagar, Madhya Pradesh India

संपादक - आकांक्षा मलैया, प्रबंधक व प्रकाशक - विचार समिति, स्वामित्व - विचार समिति, 258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड, आदिनाथ कार्स प्रा.लि. के पीछे, सागर (म.प्र.), पिन-470002
मुद्रण - तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट, पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली, रामपुरा वार्ड, सागर